nt>

12.29 hrs

RE: ARREST OF KANCHI SEER JAYENDRA SARASWATHI

Title: Regarding arrest of Kanchi Seer − Jayendra Saraswati and alleged ill-treatment meted out to him.

MR. SPEAKER: We now come to the hour for which we all are waiting. There are only 49 items to be raised and everybody wants to speak first! Since Shri Malhotra is waiting for this, he will get the first chance. I hope he has given notice for this.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): Yes, I have given a notice for this....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will call you later. Please go and sit. I will give you a chance to speak.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, शंकराचार्य जी की गिरफ्तारी और उनसे किये गये दुर्व्यवहार से देश के सौ करोड़ से अधिक भारतवासियों और विशेाकर हिन्दू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am on my legs. Sit down.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठिए।

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down. I have called your leader.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I agree with you. This matter, in principle, pertains to State Government but because the sentiments of a very large number of people of this country on both sides are involved, I have permitted him.

...(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): The sentiments of a large number of people are not involved....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Yes. I agree with you, Mr. Acharia. Therefore, I have permitted Mr. Malhotra to make a very brief reference. He has agreed to cooperate with me.

श्री रघुनाथ झा (बेतिया) : अध्यक्ष महोदय, हम सब आपको को-आपरेट कर रहे हैं, लेकिन ये लोग हिन्दुओं के ठेकेदार नहीं हैं। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please let him finish. It would have been over by this time.

...(*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, मुझे आश्चर्य हुआ कि यू.पी.ए. सरकार â€¦ (व्यवधान)

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष महोदय, सब हिन्दू हमारे साथ हैं। ये हिन्दुओं के ठेकेदार नहीं हैं। â€¦ (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहता हूं। â€¦ (व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य :अध्यक्ष जी, यह मामला कोर्ट में लम्बित है, यह मामला यहां कैसे उठाया जा सकता है ? यह मामला यहां नहीं उठाया जा सकता है। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please sit down. It would have been over by now. He has said that he would take one minute.

...(*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, सरकार ने, मनमोहन सिंह जी ने दुर्व्यवहार के बारे में चिट्ठी लिखी है â€¦ (व्यवधान)अध्यक्ष महोदय, यहां बहुत शोर हो रहा है, मैं कैसे बोलूं ?

MR. SPEAKER: This is not fair. Please show some respect to the Chair. Mr. Athawale, what are you doing? Please sit down. Shri Ram Kirpal Yadav, please sit down.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is an unfortunate thing. We do not have patience to hear anybody. Please sit down. I would not allow this. What is all this going on? What would people say?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down quietly. You have to have some respect for the Chair. If you do not accept the Chair, move a motion against it, I will go away very happily. I have requested him to be brief.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please cooperate. Twenty-third is not far away. I have told Mr. Malhotra that ordinarily, I would not have allowed this but because generally all over the country there are some feelings, I am allowing you.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have not said the entire country, I have said a section. I have said that there are feelings on both sides.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am earnestly requesting the hon. Members that you have every right and if you want to make some comment in a manner which is consistent with the dignity of this House, I would permit you to do that. Please do it in a manner so that you can be heard. If all the Members start speaking simultaneously, nobody would be heard.

Therefore, if you want an opportunity, I will give you a chance.

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : देवेन्द्र भाई, आप थोड़ा धीरज रखिए।

â€¦ (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष जी, यह नया प्रीसिडेंट शुरू हो रहा है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: There is no new precedent.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : मल्होत्राजी, आप ब्रीफ में बोलिए।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, अभी मैंने बोलना शुरू ही नहीं किया।â€¦ (व्यवधान)जब मैं बोलूंगा तो दूसरी बात भी रखूंगा।â€¦ (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष जी, ऐसी बातें नहीं होनी चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : आज इन्हें न्यायालय और बाकी सब चीजें याद आ रही हैं।â€¦ (व्यवधान)शंकराचार्य जी का मामला उठा हुआ है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please do not make provocative comments.

...(*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ कि कांग्रेस पार्टी से इसका अपोजिशन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री, श्री मनमोहन सिंह जी ने चिट्ठी लिखी। अगर यहां प्रधानमंत्री जी यूपीए सरकार को रिप्रजंट नहीं करते तो कौन करता?â€¦ (व्यवधान) The hon. Prime Minister has written a letter to Ms. Jayalalitha. उनसे कहा कि इनके साथ अच्छा व्यवहार होना चाहिए और यहां यूपीए के लोग इसका विरोध कर रहे हैं और यह कहा जा रहा है कि इसका विरोध क्यों किया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय, आज यहां सीपीआई, सीपीएम के मेम्बर्स, प्रधानमंत्री जी और कांग्रेस पार्टी ने कहा एवं मुस्लिम नेताओं ने भी कहा।â€¦ (व्यवधान) I cannot speak like this. â€¦ (व्यवधान)इन्होंने यह क्या मजाक बना रखा है?â€¦ (व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Please do not make any reference to our Party...(*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : यह क्या तरीका है?â€¦ (व्यवधान)सीपीएम ने कहा कि इनके साथ दुर्व्यवहार हुआ।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am very sorry that earnest appeals from the Chair are not being heeded to. I am making an earnest appeal.

...(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, he is misleading the House.

MR. SPEAKER: Shri Acharia, this is not right.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am not able to understand as to what is happening here. What is this?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is a fact that I have given him permission to make a reference very briefly for one minute. I said that. Very briefly I have allowed him to make a mention and I have also told you the reason for it. If any other hon. Member has anything to say, then he should at least seek my permission. It is not that you will not allow others to speak. How can this House be run? I will adjourn the House and go away. You will again come and try to say the same thing. Is it giving us any credit? Please tell me. Everyday by getting forcible adjournments are you adding to your own stature or to the stature of this Parliament of this country?

I am requesting you all to please co-operate with the Chair. One need not like everything that others are saying. Here we are not listening to the statements of Ministers.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Radhakrishnan, I will have to take very serious action. If you behave like this, then what example are you setting for others?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Topedar, I will not allow this. There will be no special benefit or advantage. Please do not do that.

Shri Malhotra, you may please continue.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, हमें कोई बोलने नहीं दे रहा है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बोलिए।

â€¦ (व्यवधान)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, this is going too far. We cannot tolerate this thing. I do not need his permission to speak. â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, मैं केवल यह बात कह रहा था।â€¦ (व्यवधान)आप लोग हिन्दू होकर भी हिन्दुओं का विरोध करते हैं।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded except what Mr. Malhotra is saying.

*(Interruptions)**

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : समझे आप लोग, आप लोग हिन्दू हेटर हैं, इसलिए हिन्दू का विरोध करना चाहते हैं तो बाहर जाकर करिये? आप हिन्दुओं के द्वेषी हैं। Are you Hindu makers or Hindu haters?...(*Interruptions*) आप लोगों के हिन्दुओं से घृणा करने का यह मतलब है कि आप सवाल नहीं उठाने दें।â€¦ (व्यवधान)

श्री तरित बरण तोपदार (बैरकपुर) : हमें मालूम है कि यह राज्य का सवाल है। â€¦ (व्यवधान)

श्री अनंत कुमार (बंगलौर दक्षिण) : कैसा राज्य चला रहे हो, मालूम है हमें, यह देश का सवाल है, यह धर्म का सवाल है।â€¦ (व्यवधान) हमें आपकी परमीशन नहीं चाहिए, आप बाहर जाइये। बसुदेव आचार्य जी, बंगाल जाओ।â€¦ (व्यवधान)

***Not Recorded.**

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अगर यह स्टेट मैटर है तो प्राइम मिनिस्टर ने लैटर क्यों लिखा? Why has the Prime Minister written a letter to Dr. Jayalalitha?...(*Interruptions*) जी हां, मैं यही बोल रहा हूं। आप मुझे बोलने देंगे तो मैं बताऊंगा ना।

MR. SPEAKER: Nothing is being recorded. Let it go on.

*(Interruptions)**

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अभी तो मेरे द्वारा उठाया गया पोइंट ऑफ आर्डर है।

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: आप छोड़िये न। I am not listening to it. It would have been over long ago and I would have given you all an opportunity to speak.

...(*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, मैं केवल दो बातें कह रहा हूंâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, ये केबिनेट मिनिस्टर आपस में हाउस में बातचीत करते हैं।â€¦ (व्यवधान) इनको आज हाउस एडजर्न कराना है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is too much.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Except what Mr. Malhotra is saying, nothing will be recorded. आप बोलिये, प्लीज।

*(Interruptions)**

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, कांस्टीट्यूशन में आर्टिकल 256 में सैण्टर को राइट है कि वह उनको डायरैक्शन दे सके और इस डायरैक्शन में उनकोâ€¦ (व्यवधान)

SHRI N.N. KRISHNADAS (PALGHAT): Sir, I am on a point of order.

MR. SPEAKER: There is no point of order during `Zero Hour'. Please sit down.

...(*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : जीरो ऑवर में क्या पाइंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष जी, कानून के आगे सब बराबर हैं, परन्तु बहुत से लोगों के साथ, विशिटजनों के साथ जो प्राइम मिनिस्टर ने बात कही है, उसमें

*Not Recorded.

यही बात कही गई है कि उनके साथ व्यवहार करते समय उनके स्थान का ध्यान रखना चाहिए। इससे पहलेâ€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: No running commentary. I will give some of you an opportunity to speak. आपको इतना हाथ जोड़ने वाला स्पीकर कहां मिलेगा? आप बोलिये।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : उससे पहले देश में बहुत से लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं। शेख अब्दुल्ला जी को कोडईकैनाल में एक गैस्ट हाउस में रखा गया, दिल्ली में एक बहुत बड़ी कोठी में रखा गया।â€¦ (व्यवधान) यह कोई महापुरुषों की तुलना की बात नहीं है। परन्तु अंग्रेजों के टाइम पर भी महात्मा गांधी जी को आगा खां पैलेस में रखा गया। इन्दिरा गांधी जी को यहांâ€¦ (व्यवधान) हमारे कई नेताओं को भी कई जगह रखा गया।â€¦ (व्यवधान)

श्री रूपचन्द पाल (हुगली) : ऐसी तुलना नहीं होनी चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Mr. Mohan Rawale, do not try to come into the well. I do not approve it.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members, let me know one thing.

Do you want the House to run? I will ask you a simple question.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : क्याआप लोग नहीं चाहते कि हाऊस चले ? आप सब बैठिये।

...(व्यवधान)

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण-मध्य) : अध्यक्ष महोदय, ये हमारे हिन्दुओं का अनादर करते हैं। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, why have you come here? Go to your seats.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please do not raise slogans here.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am trying to control them. You also do not do that.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am trying my best to control them. I am trying to control them. Go to your seats. You cannot dictate. Nobody can dictate. Go to your seats. I am trying my best to control them.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The way you are behaving is shameful. It is shameful the way you are behaving. Prof. Malhotra, you please continue.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am trying to control them. Please sit down.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will now name people. I will now start naming the Members. I will start naming the Members now.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : मैं सबको बाहर कर दूंगा। यह क्या चल रहा है ?

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You are deliberately insulting the Chair. Deliberately you are insulting the Chair. I will not allow it so long as I am here.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please do not have cross talks. Prof. Malhotra, please complete your submission.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It would have been over long ago.

...(*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : I am speaking with Chair""s permission. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : यह तमाशा नहीं चलेगा।

...(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, अभी यहां के बहुत से लोगों को विशिट जगह पर रखा गया। हमारे भी बहुत से लीडर्स को गैस्ट हाउस में रखा गया, बाकी जगह रखा गया। शंकराचार्य जी को â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, शंकराचार्य जी की गिरफ्तारी की जरूरत नहीं थी। अगर पूछताछ करनी थी तो उनके मठ में उनसे पूछताछ की जा सकती थी लेकिन उनको आंध्र प्रदेश में जाकर गिरफ्तार किया गया जहां कांग्रेस की सरकार थी। वहां से बिना पूछे और बिना सैंटर से पूछे उनको वहां गिरफ्तार नहीं किया जा सकता था। â€¦ (व्यवधान)आंध्र प्रदेश में उनकी गिरफ्तारी हुई। â€¦ (व्यवधान)

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI): Sir, we are strongly contradicting his statement. It is totally wrong.â€¦ (*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : He has been arrested from there. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let him say what he wants to say. You are here. Then you can respond to that.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Member, what is your name?

...(*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, मुझे इसमें सिर्फ दो बातें कहनी हैं। पहली बात यह है कि उनसे जो दुर्व्यवहार हो रहा है, वह फौरन बंद होना चाहिए। प्रधान मंत्री ने जो बात कही है, वह डायरेक्शन दे सकते हैं और उस संबंध में कांस्टीट्यूशन के आर्टिकल 256 के अन्तर्गत डायरेक्शन दी जा सकती है। जो उन्होंने उनको पत्र लिखा है, वह उसी पर कायम रहे और उनको डायरेक्शन दें। दूसरी बात यह है कि वहां स्टेट गवर्नमैंट की मशीनरी का दुरुपयोग हो रहा है। दो आदमियों ने यह बयान दिया है कि हमसे मार-पीट करके, धमकी देकर, टार्चर करके बयान दिलवाये गये। उन्होंने वह बयान वहां पर दिया। â€¦ (व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : शंकराचार्य जी ने खुद यह स्वीकार किया है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये।

...(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : क्या उनको भी मारा गया है ? â€¦ (व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : बिल्कुल, मैं यही कह रहा हूं। एक महिला के बारे में बहुत लंबा-चौड़ा बयान दिया गया कि वह रूपया लेकर भाग गयी, उसका यह था, वह था। â€¦ (व्यवधान) That lady also came forward. ...(*Interruptions*) यह कहा कि वह बेचारी कैंसर की पैशेंट है। उसको वहां से कुल एक-दो हजार रुपये दिये जा रहे हैं। कहा गया कि रूपया लेकर वह भाग गयी। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Prof. Malhotra, what is your demand?

...(*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : इस तरह से कैंसर पैशेंट के बारे में कहा गया है कि वह रुपया लेकर भाग गयी। वहां पर पहले उनको मुकदमा â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Mr. Varkala Radhakrishnan, you please sit down.

...(*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : उनका मुकदमा तमिलनाडु में नहीं चल सकता। तमिलनाडु में सारी पुलिस, सारी मशीनरी उनको टॉर्चर करके, गवाहों को भड़काकर पूरी तरहâ€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Prof. Malhotra, please do not refer to matters of court here.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : I am not doing that.

MR. SPEAKER: Please hear him.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : जैसे बैस्ट बेकरी कांड का मुकदमा गुजरात से हटाकर दूसरी जगह किया गया, वैसे ही इस मुकदमे को दूसरी जगह दाखिल किया जाए।

शंकराचार्य जी को पूजा-पाठ करने का पूरा समय दिया जाए। उनके साथ जो दुर्व्यवहार किया जा रहा है, उसे फौरी तौर पर बंद किया जाए। उनके मुकदमे को वहां से हटाकर दूसरी जगह किया जाए। ... *(Interruptions)**

MR. SPEAKER: Hon. Member, please sit down.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : मैं कोर्ट के मामले में दखल नहीं दे रहा हूं।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri V. Radhakrishnan, I think you can walk out in protest!

अध्यक्ष महोदय : आप बोलिए।

MR. SPEAKER: The last portion will be dropped.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have allowed you. Please sit down.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Now, Shri Md. Salim to speak.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : हिन्दू विरोधी नहीं हैं।

...(व्यवधान)

***Not Recorded.**

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए।

...(व्यवधान)

श्री हंसराज जी.अहीर (चन्द्रपुर) : क्या ये हिन्दू लोगों की बात नहीं समझते?...(व्यवधान) यह भारत देश का हाउस है।â€¦ *(Interruptions)* *

MR. SPEAKER: What is all this going on? Please do not shout.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: That portion was deleted. Nothing will be recorded.

*(Interruptions)**

SHRI N.N. KRISHNADAS : What is he talking? How can he say so? He should withdraw it....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It was not recorded.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Krishnadas, what you are doing? I say that it has not been recorded. Please sit down.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Prof. Malhotra, you were legitimately resenting interruptions. But when other hon. Members are speaking, your hon. Members should not interrupt and make such provocative statements. That statement is not proper. I have deleted it. Mr. Member, I am cautioning you not to make such mistakes later on.

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI GHULAM NABI AZAD): Sir, I want to take just one minute.

*Not Recorded.

Prof. Vijay Kumar Malhotra has spoken with your consent. We kept quiet because it was agreed upon that he would speak. But I would request you that the last part of his speech â€¦â€¦ should be expunged.

MR. SPEKAER: It has already been deleted.

SHRI GHULAM NABI AZAD: There is nobody against any religion.

MR. SPEAKER: Let us conduct ourselves in a dignified manner.

मोहम्मद सलीम (कलकत्ता-उत्तर पूर्व) : अध्यक्ष महोदय, शंकराचार्य जी और यहां के मठाधीश, यह मामला देश की भावना के साथ, देश की जनता के विश्वास के साथ जुड़ा हुआ है। हम सब समझते हैं खासकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रतिनिधियों, वामपंथी पार्टी के प्रतिनिधियों का अलग-अलग विश्वास हो सकता है लेकिन इसे राजनीति के साथ, धर्म के साथ जोड़कर कोई पोलीटिकल प्वाइंट्स कोट करने का मामला नहीं है। तमिलनाडू में जो हो रहा है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। चाहे वह आरोप प्रमाणित हो, सच्चाई हो, वह कोर्ट का मामला है। हमारे यहां लोकतंत्र में ज्यूडीशियरी अलग है, लैजिस्लेचर अलग है और ऐग्ज़ीक्यूटिव अलग है। ऐग्ज़ीक्यूटिव

की लैजिस्लेचर में कमिटमैंट है, ऐकाउंटेबिलिटी है। अगर तमिलनाडू सरकार कुछ गलत करती है तो उसके लिए तमिलनाडू विधान सभा है और अगर भारत सरकार कुछ गलत या सही करती है तो उसके लिए लोक सभा और राज्य सभा है। लेकिन हम न गलत परम्परा डालना चाहते हैं और न ज्यूडीशियरी के किसी काम पर कोई टिप्पणी दे सकते हैं। न तो कोई स्टेट की इलेक्टेड गवर्नमेंट के ऊपर लोक सभा में कोई टिप्पणियां कर सकते हैं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह ठीक नहीं है। आप उनको बोलने दीजिए।

â€¦ (व्यवधान)

मोहम्मद सलीम : अध्यक्ष महोदय, हमारे देश की लोकतांत्रिक परम्परा और संविधान के अलावा एक भी शब्द नहीं बोला हूं। न ये संविधान मानते हैं, न लोक तंत्र में इनकी कोई आस्था है।â€¦ (व्यवधान)हमारे यहां संघीय ढाँचा है और इस संघीय ढाँचे में, फैडरल स्ट्रक्चर में स्टेट गवर्नमेंट के कोई भी कंडक्ट पर पार्लियामेंट में हम यहां बहस नहीं कर सकते हैं, हमें पसन्द हो या नहीं हो। आज ज्यूडिशियरी का रास्ता खुला है। ज्यूडिशयरी का रिकोर्स कोई भी ले सकता है।â€¦ (व्यवधान)यहां तक कि आप पोलिटिकल डिसकोर्स भी कर सकते हैं। लेकिन इन्होंने आउटसाइड में धरना-प्रदर्शन किये हैं।â€¦ (व्यवधान)कोर्ट के केस के नये पहलू में हमें नहीं जाना है कि कौन सही है, कौन गलत है, यह डिसकसन करके बहुत गलत परम्परा हो जाएगी और मल्होत्रा जी ने जो बात कही है, pointing fingerat us हम लोगों के प्र ाति की है, वह गलत किया है। ऐसा नहीं होना चाहिए। धन्यवाद।

SHRI MADHUSUDAN MISTRY (SABARKANTHA): Mr. Speaker, Sir, from the Congress Party we should get a chance to speak.

MR. SPEAKER: Who said you will not get a chance? Everybody will get a chance here. This is very unfortunate.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Do not show your red eyes.

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष महोदय, यह कानून का शासन देश में चलता है और कानून एक के लिए कुछ और है और दूसरे के लिए कुछ और होगा। यह नहीं होगा।â€¦ (व्यवधान)अगर शंकर रमण भी हिन्दू था औरâ€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Mr. Mohan Rawale, you were objecting earlier also. Please take your seat.

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष जी, इनको बिठाइए। नहीं तो हम इनको भी बोलने नहीं देंगे।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Only Mr. Raghunath Jha's submission will go on record.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Mr. Salim, you got your chance. Please take your seat now.

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष महोदय, यह केस कोई भारत सरकार ने नहीं किया है। वे तो इनके पार्टनर रहे हैं,â€¦ (व्यवधान)और हमारे हिन्दू धर्म की जिस तरह से केस में बात आई है और जिस तरह से कोर्ट में और तमिलनाडु की असेम्बली में वहां की मुख्य मंत्री ने सारे तथ्यों को रिवील किया है, ऐसा लगता है कि ....**

और ये लोग कहते हैं कि हम लोग हिन्दू विरोधी हैं।â€¦ (व्यवधान)हम लोग हिन्दू विरोधी नहीं हैं। ये लोग हिन्दू विरोधी हैं।â€¦ (व्यवधान)ये लोग हिन्दू धर्म के नाम पर ठेकेदारी करना चाहते हैं। इनकी ठेकेदारी बंद है और हम लोग आपको विश्वास दिलाना चाहते हैं कि कानून अपना रास्ता अपने आप तय करेगा और कोई भी दबाव नहीं पड़ना चाहिए।â€¦ (व्यवधान) 'झूठ बोले कौआ काटे, काले कौवे से डरिये।'

...** (व्यवधान)

****Expunged as ordered by the Chair.**

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, यह शब्द जो इन्होंने कहा,â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The Leader of the House Shri Pranab Mukherjee will speak now.

...(*Interruptions*)

श्री अनंत गंगाराम गीते (रत्नागिरि) : अध्यक्ष जी, यह शब्द इन्होंने जो कहा है,â€¦ (व्यवधान)इसे हटवा दीजिए।

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए। I will consider it.

â€¦ (व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष जी.इनको तो माफी मांगनी चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए। आप बोल चुके हैं।

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Allow the Leader of the House to speak now. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

13.00 hrs.

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Mr. Speaker Sir,...(*Interruptions*)

श्री अनंत गंगाराम गीते (रत्नागिरि) :आपने दो-दो सदस्यों को इस पर बोलने का मौका दिया हैâ€¦ (व्यवधान)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Sir, would they not allow me to speak? What is this?...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: What is all this going on?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will not allow you, Shri Geethe. I made a mistake in being generous and trying to express my feelings for the sentiments. Now, it is being misused, I find.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please have patience to listen to the Leader of the House.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Mr. Speaker Sir, it is most unfortunate that we have the occasion where anybody may feel that it is free for all. Even the hon. Speaker will be interrupted. The Leader of the House hardly gets up and even when he gets up some Member will get up and he will be disturbed. This is not fair.

I got up only to point out the matter referred to by the hon. Member, Shri Malhotra that neither the Union Government nor the Andhra Pradesh Government has anything to do with this matter. This is a matter which is exclusively within the purview of the State Government of Tamil Nadu. What Prime Minister wrote is nothing but expressing a humanitarian consideration. The very first sentence of the Prime Minister's letter starts with the words, 'due process of law should take its own course of action'. Therefore, this is a matter which is totally within the purview of the court. Let Parliament not interfere with it. This is my most respectful submission...(*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): The hon. Prime Minister has written other things also. जो आगे प्रधान मंत्री जी ने लिखा है कि उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाए और अन्य सुविधाएं दी जाएं, वह भी बताएं। The Leader of the House is contradicting the Prime Minister...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: That subject is over now.

...(*Interruptions*)